तर्ज़: तेरा मेरा प्यार अमर.....

जग में फैलाने प्यार अमन, धरती पे आये गुरुबचन
मानवता का लेके मिशन, धरती पे आये गुरुबचन

भेद-भाव ना रहे, प्यार की गँगा बहे
तज के जात पात को, एक होके सब रहें
ज्ञान की, निर्मल, धारा बहा, तोड़ दिए सारे बन्धन
मानवता का लेके मिशन, धरती पे आये गुरुबचन .....

समर्पण भी, करम भी, साथ साथ कैसे हो
गृहस्थी, भक्ति, से सजे, ताल, मेल, ऐसे हो
दे गए, समाज को, नयी दिशा, जीकर गए वो ऐसा जीवन
मानवता का लेके मिशन, धरती पे आये गुरुबचन .....

रात दिन, सच का प्रचार, स्वास स्वास पर उपकार
झूठ से डरे नहीं, सच का छोड़ा ना आधार
दे गए, क़ुरबानी, प्राणों की, ताकि सच्चाई का हो ना हनन
मानवता का लेके मिशन, धरती पे आये गुरुबचन .....